

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज शुक्रवार 30 अगस्त 2024

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेट

मुकेश अंबानी ने कई बड़ी घोषणाएं की

एनजी सिक्योरिटी पर फोकस करेगी रिलायंस

मुंबई

देश की एनजी सिक्योरिस्टी के लिए रिलायंस लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि तेल से लेकर दूसरे तक का कारोबार करने वाला समृद्ध लाभ कमाने और संपत्ति जमा करने के कारोबार में नहीं है। उसका ध्यान देश के लिए धन जुटाने में है।

मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्री की 47वें अमेरिकी कंपनी आम बैठक का आयोगन किया गया है, जिसमें खुद मुकेश अंबानी ने कई बड़ी घोषणाएं की है। इस बैठक में रिलायंस इंडस्ट्री के भविष्य प्लान को लेकर गहन चिचार विमर्श हुआ है। मुकेश अंबानी का कहना है कि देश की एनजी सिक्योरिस्टी



के लिए रिलायंस लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि तेल से लेकर दूसरे तक का कारोबार करने वाला समृद्ध लाभ कमाने और संपत्ति जमा करने के कारोबार में नहीं है।

है। उसका ध्यान देश के लिए धन जुटाने में है। छंटनी पर भी बोले मुकेश अंबानी इस दौरान मुकेश अंबानी ने कंपनी में ही रही छंटनी की अफवाहों को लेकर भी बताना दिया है। मुकेश अंबानी ने बताया कि नौकरियों में कटौती की खबरें अफवाह और आमक है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2-23-24 के दौरान रिलायंस में कई नौकरियों जोड़ी गई हैं। उन्होंने कहा कि रिलायंस ने इस वर्ष में 1.7 लाख से भी अधिक नई नौकरियों को दिया है। इन नौकरियों की बैचलैट कंपनी में कुल कर्मचारियों की संख्या 6.5 लाख से अधिक हो चुकी है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने बहस्त्रिवार को कहा कि रिलायंस बदलते हुए परिवर्त्य में खुद को अत्यधिक विश्वायिकी पर आधारित कंपनी में बदलना कर रही है। उन्होंने कृतिम मेथा (एआई) को मानव जाति के विकास में एक परिवर्तनकारी घटना बताते हुए कहा कि वह मानव जाति के सम्प्रभु मैत्रूद जटिल सम्पर्कों के समाधान के लिए नए रास्ते खोल रही है। अंबानी ने कहा कि अत्यधिक विश्वायिकी (डीप टेक) और उन्नत विनियोग को रणनीतिक रूप से अपनाने से रिलायंस निकट भविष्य में दुनिया की शीर्षी-30 कंपनियों में अपना स्थान सुरक्षित कर लेगी।

किसान आंदोलन पर टिप्पणी को लेकर भाजपा के शीर्ष नेताओं ने कंगना रनौत को तलब किया

नई दिल्ली।

किसान आंदोलन के खिलाफ उनकी टिप्पणी से उनकी पार्टी द्वारा खुद को दूर करने और उन्हें बारी-बारी से न बोलने के लिए कहने के कुछ दिनों बाद, भाजपा मंडी सासद कंगना रनौत ने गुरुवार सुबह पार्टी अध्यक्ष और केंद्रीय व्यवस्था मंत्री जे पी नड्डा से दिल्ली में उनके आवास पर मुलाकात की।

सूर्यो ने बताया कि कंगना रनौत कोरोबा अध्ये घटे तक वहाँ रही, जिसके बाद नड्डा ने भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक।

मुंबई

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अधियान के तहत भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान कैंपस पूसा में पौधारोपण किया। चौहान ने बताया कि मंत्रालय लगभग 1 एकड़ भूमि में मातृ वन स्थापित करेगा। कार्यक्रम में राज्य मंत्री रामानंद ठाकुर, सचिव डेवर एवं महिनादेव आम बैठक का आयोगी और अमांसु पाठक, कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय के लगभग 200 अधिकारी/कर्मचारी और स्कूली छात्र भी उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देशभर में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीएप-एफडब्ल्यू) के सभी अधिकारी अधिकारी अधियान चलाए गए हैं।

पर इसी तरह का वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। श्री चौहान ने वह भी बताया कि आज कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत 800 से अधिक संस्थानोंने भाग लिया और उम्मीद है कि कार्यक्रम के दौरान 3000-4000 पौधे लगाए जायें।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 5 जून 2024 का विश्व पर्यावरण दिवस

के अवसर पर वैश्विक अभियान #एप्केपूर्केनाम का शुभारंभ किया था और प्रधानमंत्री के सकल को सुनिश्चित करने के लिए आज हमारे मंत्रालयों ने जा आंदोलन के रूप में #एप्केपूर्केनाम अभियान की शुरुआत की है। चौहान ने इस अवसर पर उपर्युक्त सभी अधिकारीयों/कर्मचारियों और स्कूली विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे इस अधिकारी में भाग लें और वृक्षारोपण करके अपनी माँ और धरती माँ के प्रति सम्मान प्रकट करें।

वैश्विक अभियान के हिस्से के रूप में, पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय वह सुनिश्चित करने के प्रयास कर रहा है। इस तिरंतव 2024 तक देशभर में 80 करोड़ पौधे और मार्च 2025 तक 140 करोड़ पौधे लगाए जाएं।



लिया और उम्मीद है कि कार्यक्रम के दौरान 3000-4000 पौधे लगाए जायें।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 5 जून 2024 का विश्व पर्यावरण दिवस

आयुष्मान भारत योजना के तहत मरीजों को मिलता रहेगा लाभ



श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आयुष्मान भारत योजना के तहत मरीजों ने इलाज करा सके।

निजी अस्पतालों में इलाज करा सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों ने आयुष्मान भारत योजना का निर्धारण किया।

योजना का लाभ अस्पतालों के लिए फैसले का

निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम्मू-कश्मीर के निजी अस्पतालों के लिए फैसले का निर्धारण किया।

जम

सम्पादकीय

कोलकाता के आर जी कर सरकारी अस्पताल में हुए जघन्य अपराध

कोलकाता के आर जी कर सरकारी अस्पताल में हुए जघन्य अपराध को लेकर सियासत दिन ब दिन तेज होती जा रही है। मंगलवार को नवना अधियान की शक्ति में सियासत का एक और रूप देखने मिला। नवना भवन में प.बंगाल सरकार को सचिवालय है, जिसकी सबसे ऊपरी मंजिल पर मुख्यमंत्री है। प.बंगाल छात्र समाज ने इसी भवन तक बलात्कार कांड के विरोध में रैली निकालने का आह्वान किया था, जिसे नवना मार्च वा नवना अधियान नाम दिया गया। प्रत्यक्ष तौर पर इस अधियान में कोई राजनीतिक चेहरा नहीं था, लेकिन इसमें जिस तह भाजपा ने समर्थन दिया और स्वयं राज्यपाल की तरफ से वीडियो संदेश जारी किया। उससे समझा जा सकता है कि वह सारा अधियान बलात्कार जैसे खौफनाक अपराध परिवर्त को निलग वाले इंसाफ से कहीं अधिक राजनीतिक लाभ हासिल करने की निलग वाले छेड़ा गया था।

नवना मार्च रवीन्द्रभारती विश्वविद्यालय के छात्र प्रबोर दास, कल्याणी विश्वविद्यालय के युवकर हलदर और स्थान लाहिड़ी नामक छात्रों द्वारा बुलाया गया था, इन छात्रों का कहना है कि उनका राजनीति से लेनादाना नहीं है। उन्होंने खुद ही कहा है कि वे आरप्रेस से जुड़े हैं और उन्हें इस पर गर्व है। इस मार्च को पहले विषय का साथन भी मिला था, लेकिन बाद में संघ के तार इससे जड़ते देख कांग्रेस और वाममोर्चा दोनों ही इससे पीछे हट गए। छात्रों ने इस अधियान के लिए तीन मार्चों को समने रखा था, अभया के लिए न्याय, अपराधी के लिए मोर्चे की सजा और ममता बजानी का इस्तीफा। यह अजीब बात है कि जब मालें को सुनवाए सिंधे सुग्रीव के बाद भी हो गया। तो फिर इसकी शुरूआत मणिपुर से होते हुए उत्तरप्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, उत्तराखण्ड जैसे तमाम राज्यों में भी होनी चाहिए, व्योंगी वहां की बेटियों के साथ भी इसी तरह के अस्थाय अपराध हुए हैं।

महाराष्ट्र के बदलापुर में नावालिंग बाच्चियों के साथ हुए दुर्घट के विरोध में तीरोंका को महाराष्ट्रीय अधारी ने भी प्रदर्शन का आह्वान किया था, हालात में इसे रोकने के लिए एक जननीत व्याविकार दिखाने हुई और उसके बाद अदालत ने इस पर रोक लगाई तो फिर महाविकास अधारी ने नेताओं ने काली पट्टी मुंह पर बांध कर मौन प्रदर्शन कर सरकार के सामने अपना विरोध दर्ज कराया। ऐसा ही काम कोलकाता में भी हो सकता था, व्योंगी पुलिस के मुताबिक उसके पास खुलाया जानकारी थी कि कुछ उपदेशी रैली के दौरान प्रदर्शनकारियों के बीच युसुन और बड़े परिमाने पर हिंसा व अराजकता फैलाने का प्रयास करते। सरकार ने पहले ही बैनरप्पोर्ट की धारा 163 के तहत नवना के निकट निषेधज्ञ लागू कर दी थी।

- कल्याणी शंकर सुनीता राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी जैसी अन्य पार्टियों से बातचीत कर रही हैं और उन्होंने पर मुख्यमंत्री का दावत भी है। प.बंगाल छात्र समाज ने इसी भवन तक बलात्कार कांड के विरोध में रैली निकालने का आह्वान किया था, जिसे नवना मार्च वा नवना अधियान नाम दिया गया। प्रत्यक्ष तौर पर इस अधियान में कोई राजनीतिक चेहरा नहीं था, लेकिन इसमें जिस तह भाजपा ने समर्थन दिया और स्वयं राज्यपाल की तरफ से वीडियो संदेश जारी किया। उससे समझा जा सकता है कि वह सारा अधियान बलात्कार जैसे खौफनाक अपराध परिवर्त को निलग वाले इंसाफ से कहीं अधिक राजनीतिक लाभ हासिल करने की निलग वाले छेड़ा गया था।

किसने सोचा था कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पार्टी सुनीता के जरीवाल आम आदमी पार्टी में स्वीकार्य नेता के रूप में उभरेंगी! इस साल 21 मार्च से शराब घोटाले में अपने पति के जेल जाने के बाद दिल्ली की राजनीति आम आदमी पार्टी के विवर्य के गठबंधों पर निर्भर करती है। दिल्ली में तीसरी बार सत्ता में आने के लिए आप के लिए सत्ता विरोधी लहर पर काढ़ा पाना चुनौतीपूर्ण है।

किसने सोचा था कि जिसके बाद भी राजनीतिक नेता और कार्यकर्ता बनना ही चाहती है। उनकी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। वह अपने पति के जरीवाल का समर्थन किया, यहां तक कि इंडिया अंगेस्ट करण्यान आदोलन के दौरान भी जब वे एक राजनीतिक नेता और कार्यकर्ता बन गये। केजरीवाल ने खुद को एक पारिवारिक व्यक्ति के रूप में पेश किया और चुनावों के दौरान सुनीता के साथ प्रचार किया।

आम आदमी पार्टी में सुनीता की बढ़ती भागीदारी, विशेष रूप से केजरीवाल के कारावास के बाद, उनकी प्रतिबद्धता और छड़ा सकलप को दर्शाती है। केजरीवाल भारतीय इतिहास में एक मान एसे खुल्यमंत्री है जिन्होंने गिरफतारी के बाद भी अपनी खुल्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से इनकार कर दिया। केजरीवाल के इस्तीफा देने पर उनके उत्तराधिकारी बनने की अटकले लगाई जा रही हैं।

राजनीतिक परिवर्तों की महिलाएं अक्सर अपने रिश्तेदारों के विकल्प के रूप में राजनीति करती हैं। एक लोकसभा और विधानसभा चुनावों ने उन्हें अपनी क्षमता दिखाने का अवसर प्रदान किया। वह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि केजरीवाल के जयनात परिवर्तन पर रिहा होने के बाद वह पार्टी के लिए काम करना जारी रखेंगी या नहीं।

राजनीतिक परिवर्तों की महिलाएं अक्सर अपने रिश्तेदारों के विकल्प के रूप में राजनीति करती हैं। एक सफल उदाहरण सोनिया गांधी है। वह अपने पार्टी के खुल्यमंत्री भी अपनी गिरफतारी के बाद भी अपनी खुल्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है। केंद्र ने उत्तराधिकारी बनने की अटकले लगाई जा रही हैं।

दिसरी बात, सुनीता का नेतृत्व महत्वपूर्ण है। वह ऐसे समय में आई है, जब आम आदमी पार्टी संकरी संकट से जूझ रही है। हारियाणा में अगले महीने विधानसभा चुनाव होने हैं और दिल्ली में जनवरी 2025 में चुनाव होने हैं। कई विरष्ट नेताओं पर प्रश्नावार के आरोप हैं। केजरीवाल की गिरफतारी ने पार्टी की चुनावी विधायिका देने से इनकार कर दिया है। केंद्र ने उत्तराधिकारी बनने की अटकले लगाई जा रही हैं।

दिसरी बात, सुनीता को नेतृत्व महत्वपूर्ण है। वह ऐसे समय में आई है, जब आम आदमी पार्टी संकरी संकट से जूझ रही है। सुनीता की भूमिका खूब ही जायेगी। सिसोदिया को पिछले साल आबकारी के जारीवाल के खिलाफ एक मानसिक विवर्य के रूप में कोई आधिकारिक पद नहीं है। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान प्रचार किया था। आम सांसद संजय सिंह का दावा है कि जेजरीवाल के जरिये एक मानसिक विवर्य के रूप में उभराया है जिन्होंने गिरफतारी के बाद भी अपनी खुल्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है। केंद्र ने उत्तराधिकारी बनने की अटकले लगाई जा रही हैं।

तीसरा, हालांकि सुनीता को कामचलाऊ विकल्प के तौर पर देखा जा सकता है, लेकिन पार्टी में उनको बढ़ते प्रधारव के आरोप हैं।

केजरीवाल के नेतृत्व के संकट के सामना करने के बाद सुनीता की चुनौतीपूर्ण है।

केजरीवाल के नेतृत्व के संकट के सामना करने के बाद सुनीता की चुनौतीपूर्ण है।

केजरीवाल के नेतृत्व के संकट के सामना करने के बाद सुनीता की चुनौतीपूर्ण है।

केजरीवाल के नेतृत्व के संकट के सामना करने के बाद सुनीता की चुनौतीपूर्ण है।

केजरीवाल के नेतृत्व के संकट के सामना करने के बाद सुनीता की चुनौतीपूर्ण है।

केजरीवाल के नेतृत्व के संकट के सामना करने के बाद सुनीता की चुनौतीपूर्ण है।

केजरीवाल के नेतृत्व के संकट के सामना करने के बाद सुनीता की चुनौतीपूर्ण है।

केजरीवाल के नेतृत्व के संकट के सामना करने के बाद सुनीता की चुनौतीपूर्ण है।

केजरीवाल के नेतृत्व के संकट के सामना करने के बाद सुनीता की चुनौतीपूर्ण है।

केजरीवाल के नेतृत्व के संकट के सामना करने के बाद सुनीता की चुनौतीपूर्ण है।

केजरीवाल के नेतृत्व के संकट के सामना करने के बाद सुनीता की चुनौतीपूर्ण है।

केजरीवाल के नेतृत्व के संकट के सामना करने के बाद सुनीता की चुनौतीपूर्ण है।

केजरीवाल के नेतृत्व के संकट के सामना करने के बाद सुनीता की चुनौतीपूर्ण है।

केजरीवाल के नेतृत्व के संकट के सामना करने के बाद सुनीता की चुनौतीपूर्ण है।

केजरीवाल के नेतृत्व के संकट के सामना करने के बाद सुनीता की चुनौतीपूर्ण है।

केजरीवाल के नेतृत्व के संकट के सामना करने के बाद सुनीता की चुनौतीपूर्ण है।

केजरीवाल के नेतृत्व के संकट के सामना करने के बाद सुनीता की चुनौतीपूर्ण है।

केजरीवाल के नेतृत्व के संकट के सामना करने के बाद सुनीता की चुनौतीपूर्ण है।

केजरीवाल के नेतृत्व के संकट के सामना करने के बाद सुनीता की चुनौतीपूर्ण है।

केजरीवाल के नेतृत्व के संकट के सामना करने के बाद सुनीता की चुनौतीपूर्ण है।

केजरीवाल के नेतृत्व के संकट के सामना करने के बाद सुनीता की चुनौतीपूर्ण है।

</

